Hindi Reader

हिंदी

हिंदी पाठ्यपुस्तक

लेखिका:
बबीता चौधरी

With the blessings of :

Our Parents

Hindi Reader

हिंदी 3

हिंदी पाठ्यपुस्तक

Copyright @ Publishers

All rights reserved. No part of the publications may be reproduced, transmitted or distributed in any form or by any means without prior permission in written. Any person who does any unauthorised act in relation, Publications may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

Limits of liability and Disclaimer of Warranty:
The Authors, Editors, Designers and the Publishers of this book have tried their best to ensure that all the texts are correct in all aspect. However, the authors and the publishers does not take any responsibility of any errors, if happened. The correction of errors, if found will duly be done in the next edition.

MADE IN INDIA

Support Recycle

Save a Tree
Save the Earth

One Ton of this Paper Saves 17 trees

Max Retail Price: On Back Cover

Edited & Designed by:
Editone International Pvt. Ltd.

Based on:

- National Education Policy 2020
- NCF 2022
- Activity Based Format
- Innovative Approach
- Learning with fun
- Eco-Friendly Paper

आमुख

विचारों को अभिव्यक्त करने का सबसे सरल एवं स्पष्ट माध्यम भाषा ही है। भाषा में सम्मिलित कौशलों की सहायता से विचारों का आदान-प्रदान संभव हो पाता है। विद्यार्थियों के प्रभावपूर्ण व्यक्तित्व के विकास में शैक्षिक प्रणाली का अहम् योगदान होता है। इस प्रणाली में रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवीय मूल्यों तथा जीवन कौशल का समावेश होना आवश्यक है।

प्रस्तुत पुस्तक शृंखला (कक्षा 1-8) में भाषा के चारों कौशल– श्रवण, वाचन, पठन, लेखन के साथ-साथ गतिविधि आधारित शिक्षण पर विशेष बल दिया गया है। इस पुस्तक शृंखला में चिंतन-मनन (Thinking), विश्लेषण (Analysis), कल्पनाशीलता (Imagination), रचनात्मकता (Creativity), मूल्यांकन (Evaluation) को भी समाहित किया गया है। इसमें निर्धारित मानक वर्तनी का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शृंखला विद्यार्थियों की भाषा में बारीक समझ को विकसित करने में सक्षम है। साथ ही इसमें पाठ नियोजन करते समय विद्यार्थियों की रुचियों, जिज्ञासाओं एवं खोजबीन प्रवृति का पूरा ध्यान रखा गया है। इस पुस्तक शृंखला की पाठ्य-सामग्री बच्चों के स्तरानुकूल, सरल, सहज एवं रोचक रूप में प्रस्तुत की गई है।

प्रस्तुत शृंखला में नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रूपरेखा (NCF) 2022 को ध्यान में रखकर सभी मूल्यों को तार्किक रूप से अपनाया गया है। रचनात्मक लेखन के अंतर्गत कविता, कहानी, चित्र-कथा, संवाद, यात्रा-वर्णन एवं पत्र-लेखन आदि को शामिल किया गया है ताकि भाषा प्रयोग पर विद्यार्थियों की पकड़ मज़बूत बन सके, साथ ही विद्यार्थी व्याकरण का कुशलतापूर्वक प्रयोग कर पाएँ।

इस शृंखला में विद्यार्थियों को ऐसा मंच देने का प्रयास किया गया है, जहाँ वे आत्मविश्वास के साथ सोच-समझकर प्रश्नों का उत्तर दे सकें, साथ ही संवाद या चर्चा के द्वारा अपने सहपाठियों का दृष्टिकोण भी समझ पाएँ।

हमें यह विश्वास है कि प्रस्तुत पुस्तक शृंखला छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी। इस पुस्तक शृंखला को और भी अधिक उपयोगी बनाने के लिए सभी शिक्षार्थी, पाठकगण एवं शिक्षकगण के महत्वपूर्ण सुझाव अपेक्षीय हैं।

–प्रकाशक

विषय सूची

क्र.सं.	अध्याय	पृ. सं.
⊙	उड़न खटोला (चित्रकथा)	5
1.	प्रकृति से सीखें (कविता)	8
2.	बीरबल की बुद्धिमता (कहानी)	15
3.	फ्लोरेंस नाइटिंगेल (जीवनी)	22
4.	आलू की बारात (कविता)	30
5.	ताजमहल की यात्रा (यात्रा-वृतांत)	38
6.	गुब्बारे (कविता)	46
7.	सामान्य जीवन (एकांकी)	52
8.	साहस का मूल्य (कहानी)	58
9.	हमारा स्वतंत्रता दिवस (एकांकी)	64
10.	पुस्तक (कविता)	71
*	स्वमूल्यांकन पत्र-1	77
*	स्वमूल्यांकन पत्र-2	79

'उड़न-खटोला'

(चित्रकथा)

(केवल पठन हेतु)

हँसिका ने अपनी मम्मी से कहा तो वह सोचने लगी।

शायद वह नीले फ्रॉक वाली गुड़िया इसकी सहेली थी। हमें तीनों खिलौने लेने चाहिए थे। तब यह ज्यादा खुश रहती।

हँसिका मम्मी के साथ फिर से खिलौनेवाले के पास गई। लेकिन नीले फ्रॉक वाली गुड़िया तो कोई ले गया था। बचा था सिर्फ़ उड़न-खटोला। हँसिका की मम्मी ने उड़न खटोला खरीदा और वापस आ गई।

हँसिका ने घर आकर खुशी-खुशी वह उड़न-खटोला गुड़िया के पास रख दिया। फिर गुड़िया से मीठी-मीठी बातें करती न जाने कब सो गई।

पर सुबह हँसिका उठी तो हैरान रह गई। उसके खिलौनों की अलमारी में अब न गुड़िया थी और न उड़न-खटोला....! हँसिका दौड़ी-दौड़ी मम्मी के पास गई।

मम्मी-मम्मी, गुड़िया तो गई। साथ में उड़न-खटोला भी।

शिक्षा: अपनों के साथ रहने से बड़ी और कोई खुशी नहीं है।

अध्याय
1

'प्रकृति से सीखें'

(कविता)

अध्ययन से पूर्व (Before Study)

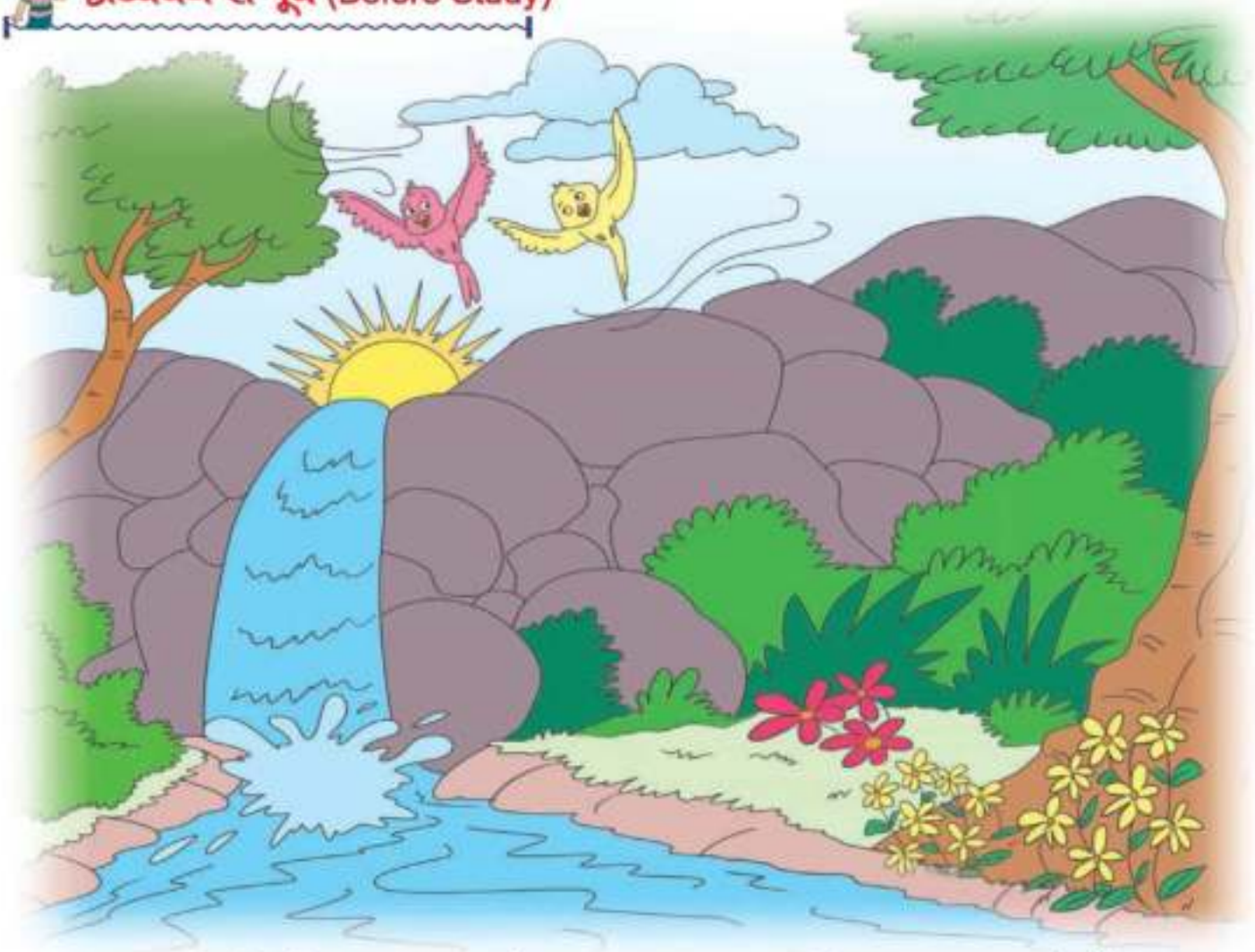

- हम प्रकृति के किस उपहार को सुनकर, छूकर, स्पर्श द्वारा जान पाते हैं?

कविता परिचय (Poem Preview)

कविता में लेखक अपने मन की इच्छाओं को जाहिर कर रहे हैं, साथ ही प्रकृति के महत्व को समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

कठिन शब्द (Difficult Words)

उधार पंछी उठाऊं ठंडा नदी मंडल आसमान इधर शीतल सुबह खो सैर घूमना संतान पंख

काश! मैं पानी बन जाऊँ,

सबकी प्यास बुझाऊँ।

कभी नदी, कभी झरना बनकर,

हित सबका करने आऊँ।

काश! मैं पंछी बन जाऊँ,

सबको भोर उठाऊँ।

सूरज के जगने से पहले,

चार दिशा घूम आऊँ।

काश! मैं बादल बन जाऊँ।

पानी भर-भर लाऊँ।

नीले-नीले आसमान में,

इधर-उधर मंडराऊँ।

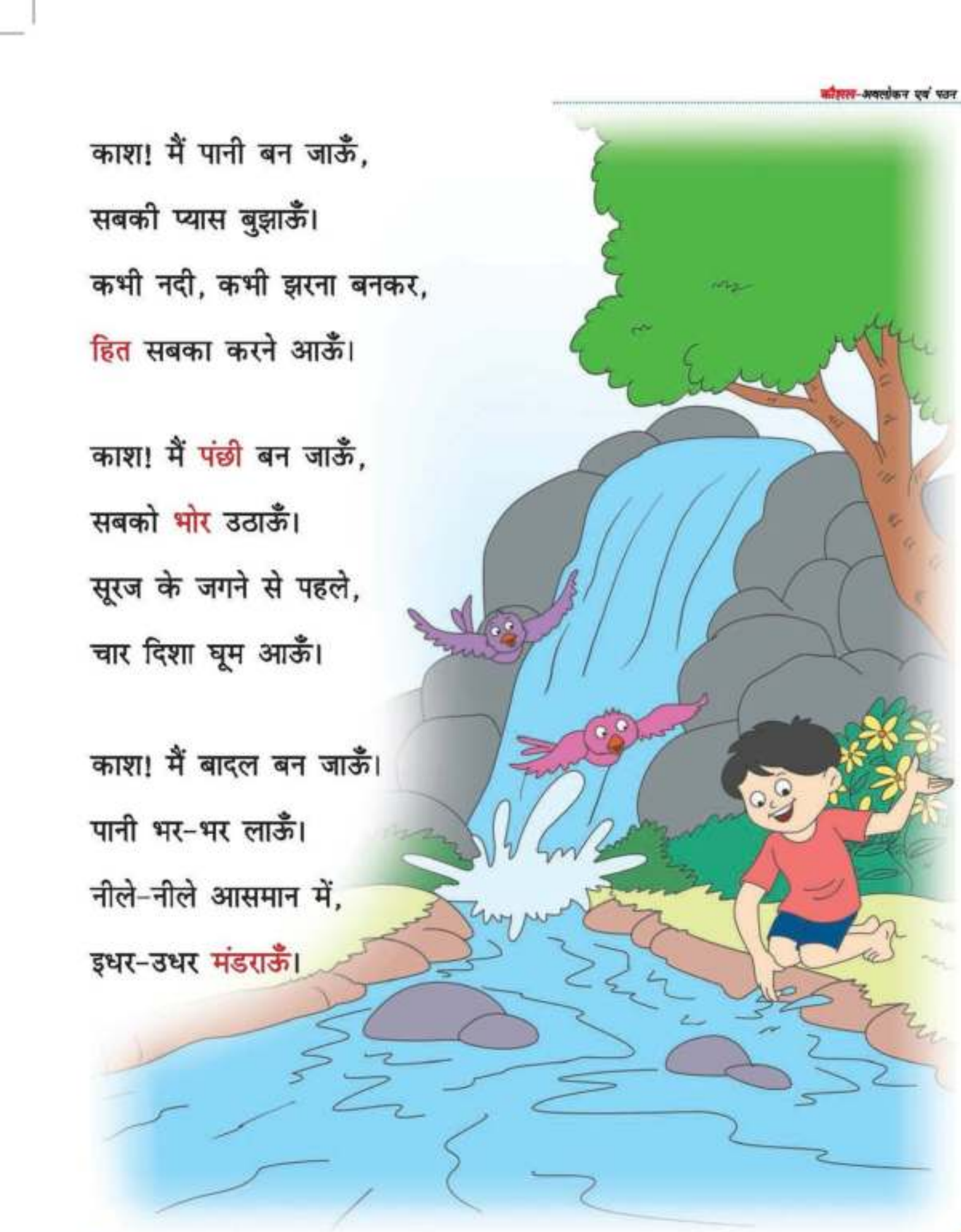

काश! मैं हवा बन जाऊँ,

मंद-मंद लहराऊँ।

खेत, मैदान, पहाड़ों तक की,

सैर करके आऊँ।

—सोहनलाल द्विवेदी

कविता का सारांश (Summary of the Poem)

This chapter, titled "प्रकृति से सीखें" (Learn from Nature), is a poem that encourages children to learn valuable lessons from nature. The poem personifies elements of nature like water, birds, air, and clouds, suggesting that each element performs its duties selflessly and diligently, which are admirable traits to emulate.

शब्दार्थ (Word Meaning)

पंछी = पक्षी (Bird)
भोर = सुबह (Morning)
मंद = धीरे (Slowly)
हित = भला (Welfare)
सैर = घूमना (Roam)
मंडराऊँ = किसी वस्तु के आप-पास चक्कर लगाना (To hover around something)

उच्चारण करें (Pronounce)

झरना	उठाऊँ	मंडराऊँ	इधर	उधर

श्रुतलेख (Dictation)

खेत	मैदान	सूरज	प्यास	दिशा
सैर	बादल	काश	आसमान	झरना

शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों के साथ चर्चा करें कि प्रकृति से हमें क्या-क्या मिलता है?
(Teachers/Parents should discuss with children what we get from nature.)

अभ्यास (Exercise)

जरा बोलिए (Speaking Skills)

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

(क) कवि पानी बनकर क्या करना चाहता है?

(ख) मंद-मंद कौन लहराना चाहता है?

(ग) चारों दिशा घूमकर कौन आना चाहता है?

(घ) इधर-उधर कौन मंडराना चाहता है?

जरा लिखिए (Writing Skills)

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Write the answers to the given questions.)

(क) सबका हित कौन करना चाहता है?

.....

(ख) सूरज से पहले कौन जगना चाहता है?

.....

(ग) हवा बनकर क्या करने का मन होता है?

.....

(घ) इधर-उधर कौन मंडराना चाहता है?

.....

3. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए। (Complete the lines of the poem.)

काश! मैं .....

पानी ..... लाऊँ

..... आसमान में,

..... मंडराऊँ।

4. सही मिलान कीजिए। (Match correctly.)

(क) सूरज	(i) दिशा
(ख) बादल	(ii) प्यास
(ग) पानी	(iii) भोर
(घ) हवा	(iv) सैर
(ङ) पंछी	(v) पानी

जरा सोचिए (Critical Thinking)

5. किसी दिन अगर सूरज न निकले, तो क्या होगा?
(What will happen if the sun does not rise one day?)

6. यदि आपको अपने मन से कुछ करने की स्वतंत्रता दे दी जाए तो आप क्या करना चाहेंगे? (If you were given the freedom to do anything you wanted, what would you like to do?.)

जरा भाषा पर गौर कीजिए (Language Skills)

7. कविता में से पाँच संज्ञा शब्द चुनकर लिखिए।
(Select and write five nouns from the poem..)

....

8. समान अर्थ वाले शब्द चुनकर लिखिए।
(Select and write words with similar meanings.)

पवन	आकाश	पक्षी	अंबर	जल	मेघ	जलधर	वारी	दिनकर
भानू	नीर	घन	समीर	नभ	खग	नभचर	रवि	वायु

(क) हवा – ....

(ख) पानी – ....

(ग) पंछी – ....

(घ) बादल – ....

(ङ) आसमान – ....

(च) सूरज – ....

9. 'उ' (ु) तथा ऊ (ू) की मात्रा वाले शब्द अलग-अलग चुनकर लिखिए।

(Select and write words with the 'u' (ु) and 'oo' (ू) matras separately.)

उ (ु)	ऊ (ू)
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

सूरज फूल झूल सुन गुण धूम बुनकर सुख

10. कविता में आए सर्वनाम शब्दों पर गोला (○) लगाइए।

(Circle the pronouns in the poem.)

संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे- मैं, तुम, आप, हमें, सबका आदि।

भर मैं कभी बन

11. दिए गए शब्दों के वचन बदलिए। (Change the number of the given words..)

(क) नदी – .....

(ख) खेत – .....

(ग) मैदान – .....

(घ) झरना – .....

जरा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)

12. प्रस्तुत कविता से आपको क्या सीख मिलती है? अपने शब्दों में लिखिए।
(What lesson do you learn from the given poem? Write in your own words.)

....

....

....

जरा दिमाग लगाइए (Brain Storming Activity)

13. प्राकृतिक संसाधनों को पहचानकर उस पर (✓) का चिह्न लगाइए।
(Identify the natural resources and mark them with a (✓) symbol.)

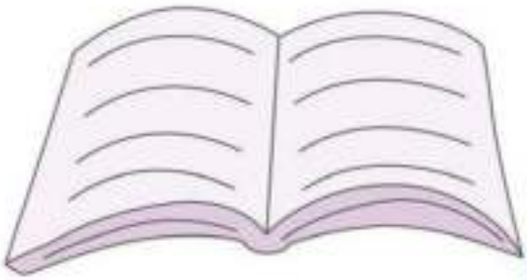

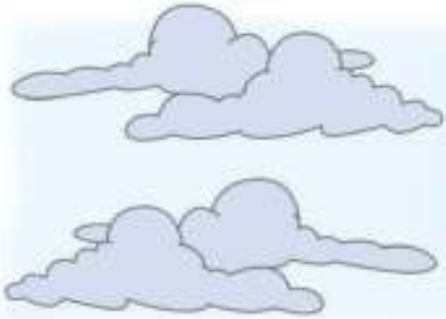

 ☐

 ☐

 ☐

 ☐

 ☐

 ☐

अध्याय 2

'बीरबल की बुद्धिमता'

(कहानी)

अध्ययन से पूर्व (Before Study)

- बीमार पड़ने पर हमें क्या करना अच्छा लगता है और क्या नहीं? बताइए।

कहानी परिचय (Story Preview)

बुद्धिमता गंभीर परिस्थितियों में भी आशा और सफलता के दरवाज़े खोल देती है।

कठिन शब्द (Difficult Words)

कक्षा अनुरोध वृक्ष गंभीर स्थिति मंत्रीगण प्रसन्न हंसाना कहानी वापस तबीयत चिन्ता

एक बार की बात है, अकबर बहुत बीमार पड़ गए। अकबर के हक़ीम ने दवा देकर राजा को आराम करने को कहा, मगर अकबर को तो जैसे कुछ अच्छा ही नहीं लग रहा था; न तो नींद आ रही थी और न ही तबीयत में सुधार हो रहा था।

तभी अकबर ने अपने मंत्री को बुलाया और कहा, "मैं बहुत ऊर्जाहीन और उबाऊ महसूस कर रहा हूँ। अकबर के मंत्रीगण इस बात से बहुत निराश हो रहे थे कि उनके राजा इतने अस्वस्थ हो चुके हैं कि रात भर जागते रहते हैं।

तभी सभी मंत्रीगण मिलकर एक योजना बनाने लगे, क्यों न कुछ ऐसा किया जाए जिससे हमारे राजा का स्वास्थ्य और खुशी दोनों लौट आए। विचार-विमर्श करने के बाद अकबर के सबसे प्रिय मंत्री बीरबल को इस बारे में सूचना देकर ज़ल्द ही महल में बुलवा लिया गया। बीरबल और मंत्रीगण अब अकबर को हँसाने के प्रयास में जुट गए।

बीरबल अकबर के कक्ष में जाकर एक कहानी सुनाने का अनुरोध करता है जिससे राजा की उदासी और बीमारी एक ही रात में छू-मंतर हो जाए।

अकबर – सुनाओ कहानी, बीरबल।

बीरबल – एक जंगल में सौ साल पुराना एक विशाल बरगद का **वृक्ष** था, जिस पर अनेक पक्षी रहते थे। हर रोज़ पक्षी सुबह अपने बच्चों के लिए भोजन की तलाश में उड़ जाते और शाम तक लौटकर आते और अपने बच्चों को भोजन देते।

अकबर – कितने पक्षी उड़ते थे?

बीरबल – पाँच सौ। पहला पक्षी उड़ता... फुर्र...।

अकबर – फिर...

बीरबल – दूसरा... फुर्र..., तीसरा... फुर्र।

अकबर – फिर उसके बाद...

बीरबल – चार सौ
सतानवे अभी
भी बचे हैं,
वो भी तो
उड़ेंगे... फुर्र...

अकबर – सभी पक्षी उड़ गए।... फिर...

बीरबल – शाम को
लौटकर

आएँगे। अपने बच्चों को खाना खिलाएँगे और अगली सुबह फिर...
फुर्र...

यह सुनते ही अकबर ज़ोर-ज़ोर से हँसने लगे और पास खड़े मंत्री भी हँसने लगे। अपने राजा को प्रसन्न और उन्हें नींद आती देख सभी ने बीरबल की बुद्धिमता और चतुराई की प्रशंसा की।

कहानी का सारांश (Summary of the Story)

The story begins with Emperor Akbar falling seriously ill. Despite the efforts of the royal physicians and the care of his courtiers, Akbar's condition does not improve. He remains bedridden, with no sign of recovery. This situation causes great concern among the courtiers, who are desperate to see their emperor well again. The story emphasizes the power of wit, wisdom, and positive engagement in overcoming difficult situations. Birbal's clever storytelling not only entertains Akbar but also aids in his healing process, showcasing Birbal's intelligence and resourcefulness.

शब्दार्थ (Word Meaning)

हक़ीम	= इलाज करने वाला (Physician)	अस्वस्थ	= बीमार (Ill)
विचार-विमर्श	= बातचीत करना (Discussion)	सूचना	= ख़बर (Information)
प्रशंसा	= तारीफ (Praise)	वृक्ष	= पेड़ (Tree)
उबाऊ	= बोर होना (किसी काम में मन न लगना) (Sad (Not interested in any work))		

उच्चारण करें (Pronounce)

योजना	ज़ल्द	बीरबल	मंत्री	तबीयत	सुधार
अच्छा	अंडे	प्रसन्न	मुर्गी	सफलता	आशा

श्रुतलेख (Dictation)

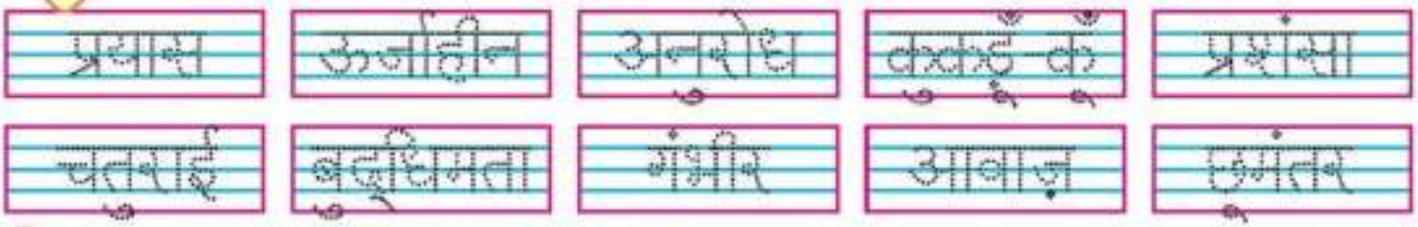

शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों के साथ अकबर के किसी अन्य किस्से पर भी चर्चा करें।
(Teachers should also discuss any other story of Akbar with the children.)

अभ्यास (Exercise)

जरा बोलिए (Speaking Skills)

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

(क) अकबर के बीमार पड़ने पर किसने उन्हें दवा दी?

(ख) अकबर ने किसको बुलाया?

(ग) किन लोगों के बीच राजा की तबीयत में सुधार को लेकर बातचीत हुई?

(घ) बीरबल ने अकबर के कक्ष में जाकर उन्हें क्या सुनाना चाहा?

जरा लिखिए (Writing Skills)

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Write the answers to the given questions.)

(क) अकबर ने अपने मंत्रियों को अपने स्वास्थ्य को लेकर क्या कहा?

.....

(ख) मंत्रियों ने राजा के लिए क्या बनाई?

.....

(ग) अकबर को कहानी सुनाने के लिए कौन आया?

.....

(घ) बीरबल की सुनाई कहानी में किसकी चर्चा हुई?

.....

3. उचित शब्दों के साथ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।
(Fill in the blanks with appropriate words.)

(क) राजा अकबर को ..... ने दवा दी। (हकीम/मंत्री)

(ख) राजा अकबर ने अपने ..... को बुलाया। (सिपाही/मंत्री)

(ग) किस्सा सुनकर मंत्री और राजा ..... लगे। (रोने/हँसने)

जरा सोचिए (Critical Thinking)

4. हम किन-किन कारणों से बीमार पड़ सकते हैं?
(What are the various reasons we can fall ill?)

5. हमें तंदुरुस्त बने रहने के लिए क्या-क्या अपनाना चाहिए? सोचकर बताइए। (What should we adopt to stay healthy? Think and explain.)

जरा भाषा पर गौर कीजिए (Language Skills)

6. दिए गए शब्दों से वाक्य निर्माण कीजिए।
(Make sentences using the given words.)

(क) खुश : .....

(ख) नींद : .....

(ग) राजा : .....

(घ) कहानी : .....

(ङ) वृक्ष : .....

(च) मंत्री : .....

7. 'भर' शब्द को जोड़ते हुए नया शब्द बनाइए।
(Create new words using the word 'भर'.)

(क) पेट+भर – .....

(ख) रात+भर – .....

(ग) दिन+भर – .....

(घ) साल+भर – .....

8. मिलते-जुलते शब्दों को छाँटकर लिखिए। (Sort and write the similar words)

संडे	कल	डर	ठंडे	घर	जल
टहल	डंडे	चहल	नल	चर	दहल

(क) अंडे – ....

(ख) कल – ....

(ग) भर – ....

(घ) महल – ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)

9. अकबर कौन था? इस संबंध में जानकारी एकत्र कर दस वाक्य लिखिए। (Who was Akbar? Gather information on this topic and write ten sentences.)

.....

.....

.....

.....

ज़रा दिमाग लगाइए (Brain Storming Activity)

10. राजा के महल में क्या-क्या मिल सकता है? चित्र देखकर अंदाजा लगाते हुए बताइए। (What can be found in the king's palace? Describe by looking at the picture and making an estimate.)

अध्याय 3

'फ्लोरेंस नाइटिंगेल'

(जीवनी)

अध्ययन से पूर्व (Before Study)

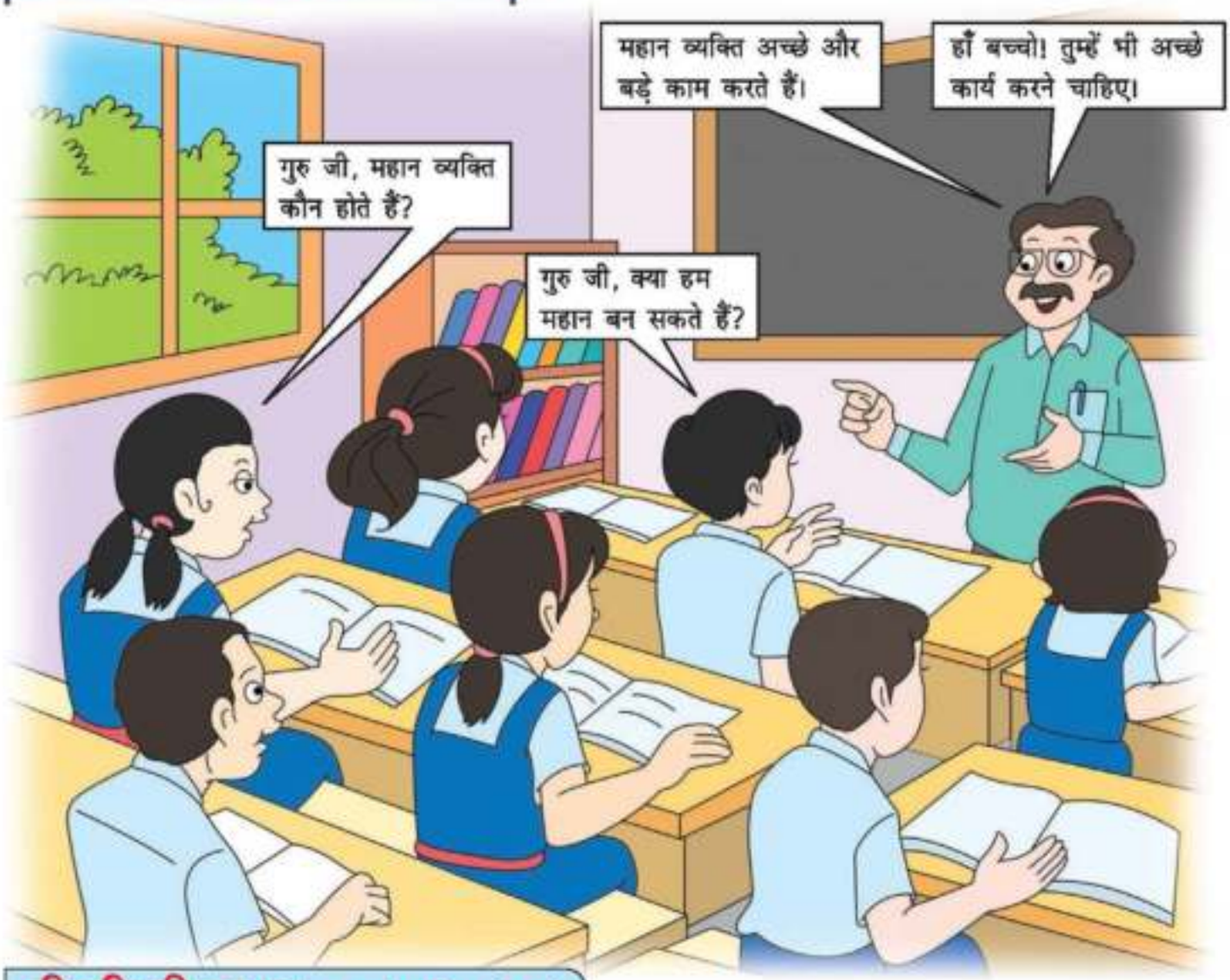

जीवनी परिचय (Biography Preview)

प्रस्तुत जीवनी में मानव सेवा को प्राथमिकता दी गई है, जिसमें बताया गया है कि फ्लोरेंस नाइटिंगेल जैसी महान विभूतियों के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।

कठिन शब्द (Difficult Words)

संपन्न विकास प्रचलित दृढ़ स्वास्थ्य समर्पित प्रणाली प्रशंसनीय प्रसिद्ध विकसित सार्वजनिक प्रबंध

यह घटना फ्लोरेंस नगर इटली की है। एक बार एक छोटी-सी बच्ची विद्यालय से अपने घर की ओर जा रही थी। तभी अपने गली के कोने पर एक नन्हीं-सी प्यारी-सी बिल्ली देखी जो पैरों में चोट लगने की वजह से चल भी नहीं पा रही थी। उसके घाव पर मक्खियाँ भिनभिना रही थीं। उस बच्ची को बिल्ली पर दया आ गई। वह उसे अपने घर ले आयी। उसने बिल्ली के घाव को गरम पानी से धोया और उस पर पट्टी कर दी। लगभग एक सप्ताह की सेवा के बाद बिल्ली ठीक हो गई। आप जानते हैं कि उस बिल्ली की सेवा करने वाली बच्ची कौन थी? करुणामयी बच्ची का नाम फ्लोरेंस नाइटिंगेल था।

फ्लोरेंस नाइटिंगल बचपन से ही भावनापर्ण किस्म की महिला थीं जिनका हृदय बहुत कोमल था। किसी को दुःख में देखकर उनका मन भी दुःखी हो उठता था। किसी रोगी को देखकर वह शीघ्र उसकी सेवा में लग जाती।

जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़ती गई तो बीमार और रोगियों की सेवा करने को ही अपना उद्देश्य बना लिया। उन्होंने मन-ही-मन नर्स बनने का निश्चय किया। जब उसके माता-पिता को उसकी इच्छा के बारे में पता चला तो वे बहुत नाराज़ हुए। उन दिनों फ्लोरेंस के घर वालों ने उन्हें नर्स बनने के लिए मना किया क्योंकि उन्हें यह काम पसंद नहीं था। उन दिनों बड़े घर की लड़कियों को यह काम करने की अनुमति नहीं थी। जब फ्लोरेंस को अपने माता-पिता से अनुमति नहीं मिली तो वह हताशा से भर गयी। अंततः माता-पिता को उनके दृढ़ निश्चय के आगे झुकना पड़ा।

फ्लोरेंस अपने काम के प्रति इतनी आतुर थीं, कि उन्होंने अस्पतालों में जाकर नर्स का कार्य किया। उनकी लगन को देखकर फ्लोरेंस को लंदन संस्थान का अध्यक्ष बना दिया गया जिससे उनकी प्रशंसा होने लगी।

उन्हीं दिनों इंग्लैंड को एक युद्ध का सामना करना पड़ा। युद्ध में घायल सैनिकों को अस्पतालों में लाया जाने लगा। गंभीर रूप से घायलों को 'स्क्यूटरी' अस्पताल में लाया जाता था। उस अस्पताल में रोगियों की देखभाल की ज़िम्मेदारी सरकार ने फ्लोरेंस को सौंप दी। उस समय अस्पताल में किसी प्रकार की अच्छी व्यवस्था नहीं थी। फ्लोरेंस ने बेहद प्रयास करके मरीज़ों को ज़रूरी सुविधाएँ प्रदान कराई और वह दिन-रात मरीज़ों की सेवा में जुट गई।

वह स्वयं प्रत्येक रोगी से मिलती थी। अस्पताल में बिजली न होने की वजह से वह रात को हाथ में लैंप लेकर रोगियों के पास जाती थीं। बीमार सैनिक उसे 'लैंप वाली देवी' कहते थे। रोगी उसे देखते ही पीड़ा भूल कर मुस्कुरा उठते थे। युद्ध में घायल सभी सैनिकों को अस्पताल में लाना कठिन होता था, इसलिए उनकी देखभाल सैनिक शिविरों में ही की जाती थी। इन शिविरों में चिकित्सा प्रबंध न के बराबर था। जब स्वयं फ्लोरेंस नाइटिंगेल युद्ध के मैदान में गई तो वहाँ उन्होंने शिविरों में सैनिकों की चिकित्सा का उचित प्रबंध किया।

दिन-रात लगातार काम करने के कारण फ्लोरेंस का शरीर कमजोर होने लगा था और वह इंग्लैंड लौट आई। किंग एडवर्ड जो उस समय इंग्लैंड के शासक थे, उन्होंने फ्लोरेंस को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया। उन्हें पूरे संसार में फ्लोरेंस नाइटिंगेल के नाम से प्रसिद्धि मिली। फ्लोरेंस नाइटिंगेल का कहना था कि "मनुष्य की सेवा ही भगवान की सच्ची सेवा है।" 13 अगस्त, 1910 को 90 वर्ष की

आयु में फ्लोरेंस का निधन हो गया। आज समस्त विश्व उनका नाम बड़े सम्मान के साथ लेता है।

जीवनी का सारांश (Summary of the Biography)

Florence Nightingale was born into a wealthy family and had a comfortable upbringing. Despite societal expectations, she chose to pursue a career in nursing, which was considered an unsuitable profession for women of her status. Florence was determined and believed that nursing was her true calling. She travelled to Germany to receive formal training in nursing and later returned to England to implement her learning.

During the Crimean War, she volunteered to take care of wounded soldiers. Her dedication and tireless work significantly improved the conditions in military hospitals. Florence's efforts in sanitation and patient care drastically reduced the mortality rate among soldiers. She worked day and night, often at the expense of her own health, earning the respect and admiration of everyone

शब्दार्थ (Word Meaning)

करुणामयी = दयावान, दयालु (Compassionate)
अनुमति = आज्ञा, इजाज़त (Permission)
बच्ची = कन्या, बालिका, लड़की (Girl, Female child)
लैंप = लालटेन, टॉर्च (Lantern, Lamp)
चिकित्सा = इलाज, उपचार (Treatment, Cure)
सार्वजनिक = प्रचलित, व्यापक (Public, Common)

उच्चारण करें (Pronounce)

फ्लोरेंस भिनभिना भावनापूर्ण स्क्यूटरी एडवर्ड

श्रुतलेख (Dictation)

शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को 'मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है' के बारे में बताएँ तथा उन्हें दूसरों की सेवा के लिए प्रेरित करें।
(The teacher should explain to the children that 'Service to humanity is the greatest religion' and encourage them to serve others.)

अभ्यास (Exercise)

जरा बोलिए (Speaking Skills)

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

(क) छोटी बच्ची को बिल्ली किस स्थिति में मिली?

(ख) इटली के कौन-से नगर में छोटी बच्ची रहती थी?

(ग) फ्लोरेंस नाइटिंगेल क्या बनना चाहती थी?

(घ) फ्लोरेंस के अस्पताल का क्या नाम था?

(ङ) सैनिकों के लिए चिकित्सा की व्यवस्था फ्लोरेंस ने कहाँ की?

जरा लिखिए (Writing Skills)

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Write the answers to the given questions.)

(क) छोटी बच्ची ने नन्हीं-सी बिल्ली की सेवा कैसे की?

.....

(ख) फ्लोरेंस को नर्स बनने के लिए माता-पिता ने क्यों मना कर दिया?

.....

(ग) जीवन के कौन-से उद्देश्य को लेकर फ्लोरेंस नाइटिंगेल चल रही थी?

.....

(घ) फ्लोरेंस नाइटिंगेल का क्या कहना था?

.....

(ङ) फ्लोरेंस नाइटिंगेल को कैसे और किसने सम्मानित किया?

.....

3. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (Fill in the blanks in the given sentences.)

(क) एक छोटी बच्ची ..... से अपने घर जा रही थी।

(ख) फ्लोरेंस नाइटिंगेल बचपन से ही ..... किस्म की महिला थीं।

(ग) फ्लोरेंस के घर वालों ने उन्हें ..... बनने के लिए मना कर दिया।

(घ) जब स्वयं फ्लोरेंस नाइटिंगेल ..... के मैदान में गई।

4. दिए गए वाक्यों में सही कथन पर (✓) तथा गलत पर (✗) का चिह्न लगाइए। (Mark the correct statements with (✓) and the incorrect statements with (✗) in the given sentences.)

(क) छोटी बच्ची घर से बाज़ार की ओर जा रही थी। ☐

(ख) गली के कोने पर एक नन्हीं-सी बिल्ली मिली। ☐

(ग) नाइटिंगेल ने अपनी टीम को युद्ध मैदान में भेजा। ☐

(घ) फ्लोरेंस ने अस्पताल जाकर कार्य को सीखा। ☐

(ङ) फ्लोरेंस नाइटिंगेल स्वयं प्रत्येक रोगी से मिलती थी। ☐

5. दिए गए वाक्यों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। (Choose the appropriate option for the given sentences.)

(क) बिल्ली के घाव पर क्या भिनभिना रही थी?

☐ मच्छर ☐ भंवरा

☐ मक्खी ☐ तितली

(ख) फ्लोरेंस ने खुद ..... बनने का निश्चय किया।

☐ डॉक्टर ☐ अध्यापिका

☐ चपरासी ☐ नर्स

(ग) रात के समय फ्लोरेंस हाथ में क्या लेकर रोगियों के पास जाती थीं।

☐ दवाई ☐ लैंप

☐ टॉर्च ☐ इनमें से कोई नहीं

(घ) मनुष्य की सेवा किसकी सच्ची सेवा मानी जाती है?

- ☐ भगवान
- ☐ समाज
- ☐ जानवर
- ☐ इनमें से कोई नहीं।

(ङ) फ्लोरेंस को लंदन में किसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया?

- ☐ शैक्षणिक संस्थान
- ☐ नर्स संस्थान
- ☐ मजदूर संस्थान
- ☐ इनमें से कोई नही।

जरा सोचिए (Critical Thinking)

6. फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने चिकित्सा के कार्य को करना ही उचित क्यों समझा? जबकि उनके पास और भी कई विकल्प थे। सोच-समझकर बताइए। (Why did Florence Nightingale consider working in the medical field appropriate, even though she had many other options? Think and explain.)

जरा भाषा पर गौर कीजिए (Language Skills)

7. दिए गए शब्दों में प्रत्यय छाँटकर लिखिए। (Identify and write the suffixes in the given words.)

प्रत्यय – वह शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देता है, प्रत्यय कहलाता है।

(क) बुढ़ापा : .....

(ख) समझदार : .....

(ग) पालनहार : .....

(घ) करनी : .....

(ङ) बोलती : .....

8. दिए गए शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए।
(Identify and write the gender of the given words.)

लिंग - जिस संज्ञा शब्द से किसी व्यक्ति की जाति का बोध हो, अर्थात वह स्त्री या पुरुष हो, लिंग कहलाता है; जैसे-

बैल (पुरुष जाति अर्थात् पुल्लिंग)

गाय (स्त्री जाति अर्थात् स्त्रीलिंग)

(क) वन ..... (ख) मोटापा .....

(ग) तन ..... (घ) बड़ी .....

(ङ) मोरनी ..... (च) कैलाश .....

(छ) बिटिया ..... (ज) अंग्रेज़ी .....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)

9. 'मानव सेवा को ही भगवान की सेवा माना जाता है' ऐसा क्यों? अपने शब्दों में लिखिए। (Why is 'Service to humanity is considered service to God'? Write in your own words.)

.....

.....

.....

ज़रा दिमाग लगाइए (Brain Storming Activity)

10. दी गई शब्द-पहेली में से उचित शब्दों को छाँटकर लिखिए। (Select and write the appropriate words from the given word puzzle.)

क	फ	लो	रें	स	क	क
लं	द	न	सै	नि	क	क
स	ना	इ	टिं	गे	ल	ड़
क	रु	णा	म	यी	म	ब
किं	ग	ता	ना	को	म	ल
क	चि	कि	त्सा	न	ल	र
भ	प	ए	ड	व	र्ड	ज

....

....

....

....

....

अध्याय 4

'आलू की बारात'

(कविता)

अध्ययन से पूर्व (Before Study)

- उपरोक्त चित्र में दर्शाए गए फलों एवं सब्ज़ियों को विभिन्न मौसम के आधार पर वर्गीकृत करते हुए उनसे होने वाले लाभ के बारे में जानकारियाँ इकट्ठी कीजिए।

कविता परिचय (Poem Preview)

बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति सजग करना एवं उनके प्रकार व महत्व पर चर्चा करना।

कठिन शब्द (Difficult Words)

बारात जमा अकड़ी-अकड़ी झूम शलजम मुख रौनक

आलू की बारात चली,
बैंगन, टमाटर और फली,
बाजा-ढोल बजा रहे हैं,
मस्ती खूब जमा रहे हैं।

गाजर, मूली और ककड़ी,
देख रही हैं अकड़ी-अकड़ी,
हलवा, पूरी और कचौड़ी,
ले ले थोड़ी और पकौड़ी।

लौकी, खीरा झूम रहें हैं,
क्या खाएँ सबसे पूछ रहे हैं,
शलगम ने दिखाया जलवा,
सबको खूब खिलाया हलवा।

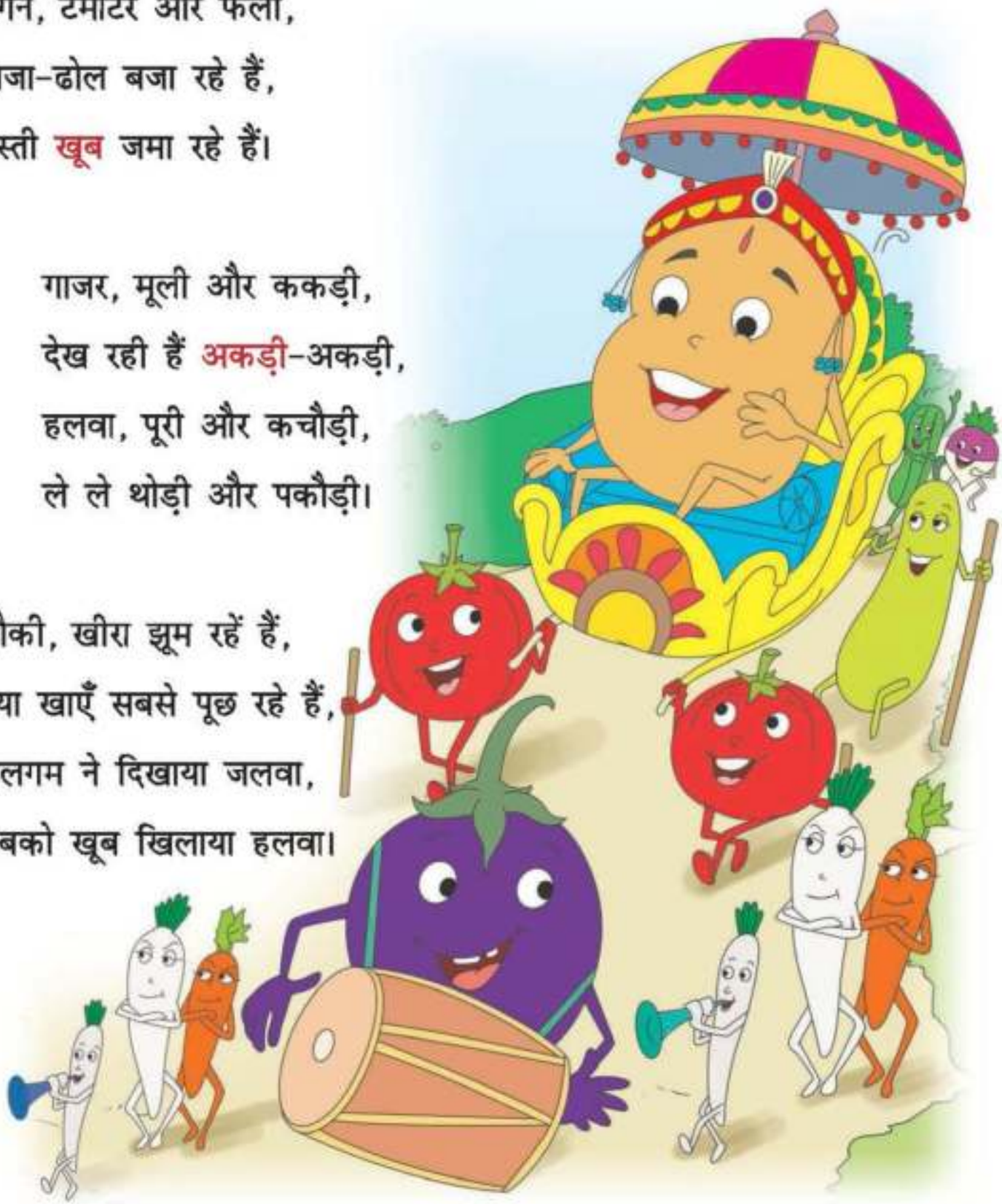

भिंडी दुल्हन मुस्काती आई,
मुख पर सबके रौनक छाई,
चारों ओर बजी शहनाई,
मिलकर सबने दावत खाई।

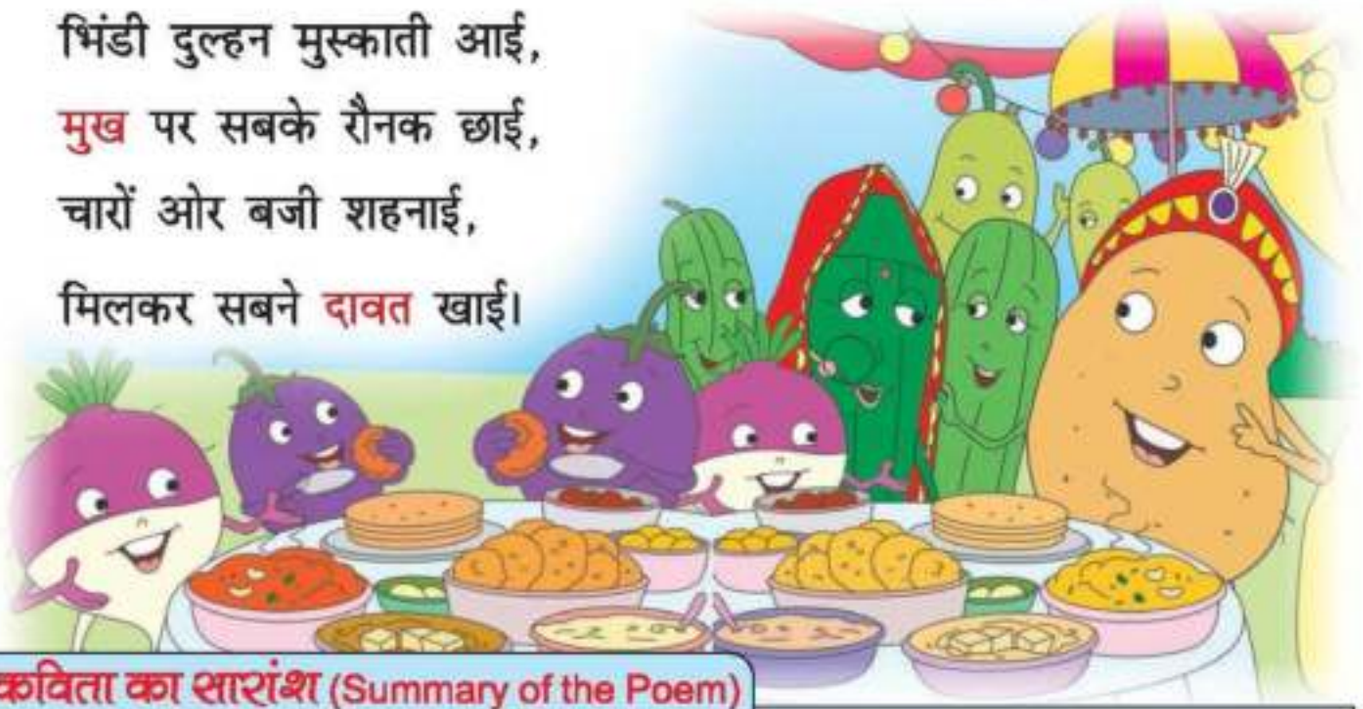

कविता का सारांश (Summary of the Poem)

In this lively poem, a festive parade of vegetables, led by potatoes, is described. Brinjal, tomato, and fruit join in the dance while musical instruments play, creating a joyous atmosphere. Carrot, radish, and cucumber observe the fun, surrounded by delicious snacks like sweets, puris, and laddoos. Pumpkin and ridge gourd swing with excitement, pondering what to eat first. The chef's tasty treats delight everyone. The celebration reaches its peak with the arrival of the smiling ladyfinger bride, and the music and joyous atmosphere bring smiles to everyone's faces as they all enjoy the feast together.

शब्दार्थ (Word Meaning)

खूब	= बहुत (Very)	दावत	= पार्टी (Feast / Party)
मुख	= चेहरा (Face)	अकड़ी	= ऐंठ में (Arrogantly / Strutting)

उच्चारण करें (Pronounce)

ढोल कचौड़ी खाई शहनाई

श्रुतलेख (Dictation)

मस्ती मुख दावत थोड़ी झूम

शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों के साथ कक्षा में मौसमी सब्ज़ियों के विषय पर चर्चा करें।
(Discuss the role of different vegetables in the poem with the children.)

अभ्यास (Exercise)

जरा बोलिए (Speaking Skills)

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

(क) सभी सब्ज़ियाँ कहाँ मस्ती करने गईं?

(ख) बारात में अकड़ी-अकड़ी कौन थी?

(ग) सबको हलवा किसने खिलाया?

(घ) आलू की दुल्हन कौन थी?

(ङ) बारात में कौन झूम रहे थे?

जरा लिखिए (Writing Skills)

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Write the answers to the given questions.)

(क) आलू की बारात में कौन-कौन शामिल हुए?

.....

(ख) दावत में खाने के लिए क्या-क्या था?

.....

(ग) बाजा-ढोल कौन बजा रहे थे?

.....

(घ) रौनक क्यों छा गई?

.....

(ङ) कविता में शलगम के विषय में क्या कहा गया है?

.....

3. सही मिलान कीजिए। (Match correctly.)

(क) शलगम	(i) मुस्काती
(ख) गाजर	(ii) ढोल
(ग) बैंगन	(iii) हलवा
(घ) भिंडी	(iv) अकड़ी

4. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए। (Complete the lines of the poem.)

लौकी, खीरा .....,
..... पूछ रहे हैं,
शलगम ने .....,
सबको खूब .....।

5. दिए गए वाक्यों को पढ़कर (✓) या (✗) गलत का चिह्न लगाइए। (Mark the correct statements with (✓) and the incorrect statements with (✗) in the given sentences.)

(क) शलगम ने दिखाया जलवा। ☐

(ख) आलू की बारात चली। ☐

(ग) गाजर, मूली और ककड़ी अकड़ी खड़ी थी। ☐

(घ) सबकी जमकर शामत आई। ☐

जरा सोचिए (Critical Thinking)

6. अगर आप आलू की बारात में बाराती होते तो किस-किस तरह की मस्ती करते? बच्चों के साथ चर्चा करते हुए वाक्य लिखिए। (If you were part of the potato parade, how would you have fun? Write about it while discussing with the children.)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

7. ऐसी कौन-कौन सी सब्ज़ियाँ हैं, जिन्हें हम पकाकर या कच्चा खा सकते हैं? कक्षा में चर्चा करते हुए नाम लिखिए। (What are the names of the vegetables that can be eaten cooked or raw? Discuss in class and write their names.)

पकाकर खाई जाने वाली सब्ज़ियाँ		कच्ची खाई जाने वाली सब्ज़ियाँ	
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

ज़रा भाषा पर ग़ौर कीजिए (Language Skills)

8. 'नाम' वाले शब्द संज्ञा कहलाते हैं। कविता में आए संज्ञा शब्दों पर गोला (○) लगाइए। (Words ending with 'a' are called conjunctive words. Circle the conjunctive words in the poem.)

बजा	पकौड़ी	सबसे	शलगम	मुस्काती
मुख	बाजा	शहनाई	चली	थोड़ी

9. कविता में आए 'ई' (ी) की मात्रा वाले शब्दों को ढूँढ़कर लिखिए। (List the words from the poem that contain the 'ई' (long (ी) vowel sound.)

....

....

10. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए। (Make sentence of given words.)

(क) मस्ती .....

(ख) शहनाई .....

(ग) बारात .....

(घ) मिलकर .....

(ङ) दुल्हन .....

11. दिए गए शब्दों में से संयुक्त व्यंजन पर (○) का चिह्न लगाइए। (Circle the conjunct consonants in the given words.)

संयुक्त व्यंजन: दो अलग-अलग व्यंजनों का जुड़ना; जैसे- मोक्ष - क्+ष

(क)	ज्ञान	श्रवन	चक्षु
(ख)	अक्षर	नक्षत्र	आँसू
(ग)	मायावी	जलज	कपट
(घ)	क्षत्रिय	कमल	श्रमिक

जरा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)

12. दिए गए व्यंजनों (भोज्य पदार्थ) के स्वाद का पता लगाकर उसके संबंध में एक-एक विशेषता लिखिए। (Identify the taste of the given dishes (food items) and write one characteristic about each in relation to its taste.)

(क) पकौड़ी - .....

(ख) चटनी - .....

(ग) सब्ज़ी - .....

(घ) शरबत - .....

(ङ) खीर - .....

13. चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
(Describe the picture in your own words.)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

जरा दिमाग लगाइए (Brain Storming Activity)

14. बॉक्स में से बीज़ वाली व बीज़ रहित सब्ज़ियों और फलों के प्रथम अक्षर को लिखिए। (Write the first letters of the vegetables and fruits shown in the picture without seeds and with seeds in the box.)

ली	अ	न	ब	ला
से	के	गू	मा	त
बू	ग	लू	बैं	ट
मू	र	ट	आ	ज

(क) बीज़ वाली सब्ज़ियाँ और फल

....

(ख) बीज़ रहित सब्ज़ियाँ और फल

....

For Full PDF

Click The Link Below